PHILOSOPHY

PAPER – II

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt all of them.

1. Semantic theory of truth holds that a proposition is true if :
   - (A) it pictures corresponding facts
   - (B) it is useful
   - (C) it is logically deductible from other proposition or propositions
   - (D) it mirrors reality

2. Logical positivists rejected Metaphysics on the basis of :
   - (A) Picture theory meaning
   - (B) Verification principle
   - (C) Use theory of meaning
   - (D) Falsifiability principle

3. The theory of Mind-Body relationship of Descartes is known as :
   - (A) Parallelism
   - (B) Interactionism
   - (C) Solipsism
   - (D) Monism

4. Which philosophy explains Tattva as Samvriti and Paramārtha ?
   - (A) Yogāchāra Idealism
   - (B) Sāṁkhya
   - (C) Mādhyamikā
   - (D) Vaibhāsika

5. Which one of the following is forbidden in the Jaina system of morality ?
   - (A) Gunavarta
   - (B) Śikṣāvrata
   - (C) Anuvrata
   - (D) Aticāra

6. Visva, Taijasa and Prājña according to Māndukya Upanisad correspond to the states of :
   - (A) Svapna , Jāgrta , Susupti
   - (B) Susupti , Jāgrta , Svapna
   - (C) Jāgrta , Svapna , Susupti
   - (D) Susupti , Svapna , Jāgrta

7. According to Iqbal, the body and the soul are :
   - (A) Distinct and run parallel to one another
   - (B) Distinct and interact with one another
   - (C) Distinct but have neither interactive nor parallelist relation with one another
   - (D) Undetachable from one another

8. Which one of the following statements is not implied by Berkeley's view that 'to be is to be perceived'.
   - (A) Ideas can exist only as long as they are being perceived
   - (B) Qualities cannot exist independently of the perceiving mind
   - (C) Objects cannot exist when they are not perceived by any mind
   - (D) Objects cannot exist when they are not perceived by human beings

9. Swabhavavada is a doctrine accepted by :
   - (A) Jaina
   - (B) Buddhist
   - (C) Nyāya
   - (D) Chārvāka

www.examrace.com

दर्शनशास्त्र

प्रश्नपत्र — II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. सत्य का शब्दार्थ सिद्धांत मानता है कि कोई प्रतिज्ञप्ति तभी सत्य होती है जब :
   (A) वह अनुकूल तथ्यों का चित्रण करती है।
   (B) वह उपयोगी है।
   (C) वह अन्य प्रतिज्ञप्तियों से तर्कतः निगमित होती है।
   (D) वह वास्तविकता को दर्शाती है।

2. तार्किक प्रत्यक्षवाद के तत्त्वमीमांसा को निराकरण का आधार है :
   (A) अर्थ का चित्र सिद्धांत
   (B) सत्यापनीयता का सिद्धांत
   (C) अर्थ का प्रयोग सिद्धांत
   (D) मिथ्यापनीयता का सिद्धांत

3. देकार्त का मन-देह संबंध कहलाता है :
   (A) समानान्तरवाद (B) क्रिया प्रति क्रियावाद (C) अवसरवाद (D) एकत्ववाद

4. कौन दर्शन तत्त्व की व्याख्या संवृत्ति और परमार्थ के रूप में करता है ?
   (A) योगाचार विज्ञानवाद (B) सांख्य (C) माध्यमिक (D) वैभाषिक

5. जैन नैतिक प्रणाली में निम्नलिखित में से कौनसा एक वर्जित है ?
   (A) गुणव्रत (B) शिक्षाव्रत (C) अणुव्रत (D) अतिचार

6. माण्डूक्य उपनिषद् के अनुसार विश्व, तैजस एवं प्राज्ञ उन स्थितियों के अनुरूप हैं :
   (A) स्वप्न, जागृत, सुषुप्ति
   (B) सुषुप्ति, जागृत, स्वप्न
   (C) जागृत, स्वप्न, सुषुप्ति
   (D) सुषुप्ति, स्वप्न, जागृत

7. इकबाल के अनुसार देह और आत्मा हैं :
   (A) भिन्न और एक दूसरे के समांतर
   (B) भिन्न और एक दूसरे से अन्तर्क्रियारत
   (C) भिन्न किन्तु न तो अन्तर्क्रियारत न ही एक दूसरे के समांतर
   (D) एक दूसरे से अभिन्न

8. निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन बर्कले के इस मत से कि 'अस्तित्ववान् होने का अर्थ है प्रत्यक्षग्राह्य होना' निष्पादित नहीं होता ?
   (A) प्रत्ययों का अस्तित्व केवल तब तक हो सकता है जब तक उनका अस्तित्व हो रहा हो।
   (B) द्रव्यत्व के बिना गुणों का स्वतंत्र अस्तित्व सम्भव नहीं है।
   (C) जिन विषयों का किसी मन द्वारा प्रत्यक्ष नहीं हो रहा है, उनका अस्तित्व सम्भव नहीं है।
   (D) जब विषयों का प्रत्यक्ष मानवीय प्राणियों द्वारा नहीं होता तो उनका अस्तित्व सम्भव नहीं होता।

9. स्वभाववाद का सिद्धांत स्वीकृत है :
   (A) जैन मत द्वारा (B) बौद्ध मत द्वारा (C) न्याय द्वारा (D) चार्वाक द्वारा

10. God according to Nyāya is :
   (A) Material cause of the World
   (B) Efficient cause of the World
   (C) Both material and efficient cause of the World
   (D) Neither efficient nor material cause of the World

11. 'Non-existence is a category but not a source of knowledge' is the view of :
   (A) Mimāmsā
   (B) Buddhism
   (C) Nyāya - Vaisesika
   (D) Chārvāka

12. Sadasat Vilaksana means :
   (A) Both <u>sat</u> and <u>asat</u>
   (B) Neither <u>sat</u> nor <u>asat</u> nor both
   (C) Neither <u>sat</u> nor <u>asat</u>
   (D) None of the above

13. In Heideggar's view, modern technology is :
   (A) the culmination of anthropocentricism
   (B) the application of science
   (C) the product of human making
   (D) the only way of being

14. Madhva advocates :
   (A) *Satkāryavāda*
   (B) *Brahma parināmavāda*
   (C) *Asatkāryāvāda*
   (D) *Sadāsatkāryavāda*

15. According to Husserl, a horizon involves :
   (A) expectations of the future
   (B) potentialities that circumscribe an object
   (C) immediate presentation
   (D) association with past events

16. According to Wittgenstein, the world is a totality of :
   (A) human beings and animals
   (B) natural objects like rivers, trees, mountains etc.
   (C) facts
   (D) artefacts

17. According to Russell 'incomplete symbol' means :
   (A) not a well formed formula
   (B) logical proper name
   (C) fragment of a sentence
   (D) description

18. According to Plato 'ideas' and 'forms' :
   (A) are products of our minds
   (B) exist as parts of things of the world
   (C) exist in a separate world
   (D) are produced by sense experience

19. According to Gandhi, we see truth in fragment and from different angles of vision. Who then is to determine the Truth in his view ?
   (A) God in itself
   (B) Nation in its solidarity
   (C) Society in its collective wisdom
   (D) The individual self

20. Kant's Transcendental idealism is compatible with :
   (A) Human Scepticism
   (B) Empirical Realism
   (C) Subjective Idealism
   (D) Platonic Idealism

www.examrace.com

10. न्यायदर्शन के अनुसार ईश्वर :

(A) जगत् का उपादान कारण है।
(B) जगत् का निमित्त कारण है।
(C) जगत् का उपादान तथा निमित्त कारण है।
(D) न निमित्त कारण है न उपादान कारण।

11. 'अभाव एक पदार्थ है परन्तु प्रमाण नहीं है' – यह मत है :

(A) मीमांसा का
(B) बौद्ध दर्शन का
(C) न्याय वैशेषिक का
(D) चार्वाक का

12. सदसद् विलक्षण का अर्थ है :

(A) सत् और असत् दोनों
(B) न तो सत् और न असत् न दोनों
(C) न तो सत् और न असत्
(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

13. हाइडेगर के मत में आधुनिक तकनिकी है :

(A) मनुष्य केन्द्रीकरण का शिखर
(B) विज्ञान का प्रयोग
(C) मानवीय रचना की उपज
(D) सत्ता का एकमात्र स्रोत

14. मध्व का मत है :

(A) सत्कार्यवाद
(B) ब्रह्म परिणामवाद
(C) असत्कार्यवाद
(D) सत्कार्यविवर्तवाद

15. हुसर्ल के अनुसार क्षितिज में अन्तर्निहित है :

(A) भविष्य की अपेक्षाएँ
(B) एक वस्तु को संबोधित करने वाली संभाव्यताएँ
(C) तात्कालिक उपस्थापन
(D) भूतकालीन घटनाओं से सहसम्बंध

16. विट्गेन्स्टाइन के अनुसार संसार समग्रता है :

(A) मानवों और पशुओं की
(B) नदियों, वृक्षों, पर्वतों इत्यादि जैसे प्राकृतिक विषयों की।
(C) तथ्यों की
(D) कलाकृतियों की

17. रसेल के अनुसार 'अपूर्ण प्रतीक' का अर्थ है :

(A) असुगठित सूत्र
(B) तर्कत: सम्पुष्टित वाक्य
(C) वाक्यांश
(D) विवरण

18. प्लेटो के अनुसार 'प्रत्यय' और 'आकार' हैं :

(A) हमारे मन की उपज के अस्तित्व
(B) संसार की वस्तुओं के अस्तित्व के रूप में
(C) किसी अन्य जगत् में अस्तित्ववान
(D) इन्द्रियानुभव द्वारा प्रसूत

19. गाँधी के अनुसार, हम सत्य को अंशों में और विभिन्न दृष्टिकोणों से देखते हैं। तो उनके मत में सत्यता का निर्णायक कौन है?

(A) ईश्वर स्वयं
(B) सह अपनी संहति में
(C) समाज सामूहिक विवेक में
(D) स्वयं व्यक्ति

20. काण्ट के अतीन्द्रिय विज्ञानवाद से संगत है :

(A) ह्यूम का संशयवाद
(B) आनुभविक वस्तुवाद
(C) विषय निष्ठ विज्ञानवाद
(D) प्लेटो का विज्ञानवाद

www.examrace.com

Instruction :

The following items consist of two statements one labelled the Assertion (A) and other labelled the Reason (R). You are to examine these two statements carefully and decide if the Assertion A and Reason R are individually true and if so, whether the Reason is a correct explanation of the Assertion. Select your answers to these items using the codes given below and mark your answer sheet accordingly.

Codes :

(A) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is the correct explanation of **(A)**

(B) Both **(A)** and **(R)** are true but **(R)** is <u>not</u> a correct explanation of **(A)**

(C) **(A)** is true but **(R)** is false

(D) **(A)** is false but **(R)** is true

21. **Assertion (A)** : Locke made a distinction primary and secondary qualities.
Reason (R) : Locke sought to distinguish between appearance and reality.

22. **Assertion (A)** : In Kantian philosophy goodwill does not make use of the principle of approval by an impartial and rational spectator in deciding a course of action.
Reason (R) : Goodwill is the principle of action while approval by an impartial and rational spectator is the principle of contemplation.

23. **Assertion (A)** : In Moore's view, the statement that good is just the pleasant, is a synthetic and not an analytic proposition.
Reason (R) : The words 'good' and 'pleasant' stand for distinct qualities.

24. **Assertion (A)** : Gandhiji identifies God with Truth.
Reason (R) : Truth is Universal and all pervasive.

25. **Assertion (A)** : To Ramanuja, Jiva is *prakara* of God.
Reason (R) : Jiva is a transformation of God.

26. **Assertion (A)** : A categorical imperative is an unconditional direction.
Reason (R) : A good will is one which acts for the sake of duty alone.

27. **Assertion (A)** : According to Buddha, *Samyak drsti* is necessary for *Nirvāna*.
Reason (R) : Knowledge alone can remove suffering.

28. **Assertion (A)** : *Gitā* does not advocate renunciation of all actions.
Reason (R) : Man must act while living in the World.

29. **Assertion (A)** : *Śunyatā* itself is called *Nirvāna* in *Mādhyamika* philosophy.
Reason (R) : *Śunyatā* is of the nature of cessation of all *prapañca*.

30. **Assertion (A)** : According to Berkeley everything that is real is or idea or a collection of ideas.
Reason (R) : Berkeley believes that every thing that is real depends for its existence on being perceived.

31. **Assertion (A)** : Dharma is derived from the root *dhr* which means to 'support' to 'hold together'.
Reason (R) : Varna duties really constitutes *dharma* because they hold together the community.

32. **Assertion (A)** : According to the <u>Bhagavadgita</u> we must not desire the fruit of our action.
Reason (R) : The fruit of our action is beyond our control.

www.examrace.com

निर्देश :

निम्नलिखित प्रश्नांशों में दो वक्तव्य हैं। एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। आपको दोनों वक्तव्यों का सावधानी पूर्वक परीक्षण करना है और निर्णय करना है कि क्या कथन (A) तथा कारण (R) पृथक्-पृथक् सही हैं और यदि ऐसा है तो क्या, कारण, कथन का सही स्पष्टीकरण है। इन प्रश्नांशों का उत्तर नीचे दिये हुए कूट की सहायता से चुनिये और अपने उत्तर पत्रक में तदनुसार अंकित कीजिए।

कूट :

(A) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं, और **(R)**, **(A)** का सही स्पष्टीकरण है।

(B) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं, किन्तु **(R)**, **(A)** का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(C) **(A)** सही है, किन्तु **(R)** गलत है।

(D) **(A)** गलत है, किन्तु **(R)** सही है।

21. **कथन (A) :** लॉक ने मूल गुणों और गौण गुणों में भेद किया।
कारण (R) : लॉक आभास और वास्तविकता में भेद करना चाहते थे।

22. **कथन (A) :** कान्ट के दर्शन में शुभ संकल्प कर्म-विधान निर्धारण करने के लिए निष्पक्ष एवं विवेकी प्रेक्षक के द्वारा अनुमोदन के सिद्धांत का प्रयोग नहीं करता।
कारण (R) : शुभ संकल्प कार्य सिद्धांत है जबकि निष्पक्ष एवं विवेकी प्रेक्षक द्वारा अनुमोदन चिन्तन सिद्धान्त है।

23. **कथन (A) :** मूर की दृष्टि में शुभ सुख मात्र है। यह कथन संश्लेषणात्मक प्रतिज्ञप्ति है, विश्लेषणात्मक प्रतिज्ञप्ति नहीं।
कारण (R) : 'शुभ', एवं 'सुख' का अर्थ भिन्न गुणों से है।

24. **कथन (A) :** गाँधीजी ने ईश्वर को सत्य ही माना है।
कारण (R) : सत्य सार्वभौम और विभु है।

25. **कथन (A) :** रामानुज के अनुसार जीव ईश्वर का प्रकार है।
कारण (R) : जीव ईश्वर का प्रतिबिम्ब है।

26. **कथन (A) :** निरपेक्ष आदेश एक प्रतिबंध रहित आदेश है।
कारण (R) : शुभ संकल्प केवल कर्तव्य के लिए ही कार्यरत होता है।

27. **कथन (A) :** बुद्ध के अनुसार सम्यक दृष्टि निर्वाण के लिए आवश्यक है।
कारण (R) : दुःख का अन्त केवल ज्ञान द्वारा संभव है।

28. **कथन (A) :** गीता सभी कर्मों के त्याग का उपदेश नहीं देती।
कारण (R) : मनुष्य को जगत् में रहते हुए कार्य करना चाहिए।

29. **कथन (A) :** माध्यमिक बौद्ध-दर्शन में शून्यता को ही निर्वाण कहा गया है।
कारण (R) : शून्यता का स्वरूप सारे प्रपंच की समाप्ति है।

30. **कथन (A) :** बर्कले के अनुसार वह प्रत्येक वस्तु जो वास्तविक है। वह एक प्रत्यय है।
कारण (R) : बर्कले का मत है कि जो वास्तविक है वह अपनी सत्ता के लिए अनुभूत होने पर निर्भर करता है।

31. **कथन (A) :** धर्म धृ धातु से व्युत्पन्न है जिसका अर्थ 'धारण करना' 'साथ रखना' है।
कारण (R) : वर्ण कर्तव्य वास्तव में धर्म है क्योंकि वे समाज को साथ रखता है।

32. **कथन (A) :** भगवद्गीता के अनुसार हमें अपने कर्म के फल की कामना नहीं करनी चाहिए।
कारण (R) : हमारे कर्म का फल हमारे वश के बाहर है।

www.examrace.com

33. The correct sequence of Syvāda of Jainism is :

(A) *Syādasti, Syādasti avaktavyam, Syādnāsti, Syādnāstiavaktavyam Syādavaktavyam, Syādastināsti, Syādasti-nāsti avaktavyam*

(B) *Syādasti, Syādnāsti, Syādastināsti, Syādavaktavyam, Syādastiavaktavyam, Syādnāstiavaktavyam, Syādasti-nāsti avaktavyam*

(C) *Syādasti, Syādnāsti, Syādavaktavyam, Syādastiavaktavyam, Syādnāstiavaktavyam, Syādasti-nāsti avaktavyam, Syadasti-nāsti,*

(D) *Syādasti, Syādnāsti, Syādavaktavyam, Syadasti-nāsti, Syādastiavaktavyam, Syādnāstiavaktavyam, Syādasti-nāsti avaktavyam*

34. The correct sequence of the Five kosas (sheaths) according to Taittiriyar Upanishad is :

(A) *Prîtvî, Āp, Tejas, Vāyu* and *Ākāsh*

(B) *Anna, Prāna, Manas, Vijñana and Ānanda*

(C) *Nama, Rupa, Rasa, Gandha and Sparsa*

(D) *Rūpā, Vedana, Vijñana, Samĵna and Samskara*

35. The correct sequence of eightfold path in Buddhism is :

(A) *samyak samkalpa, samyak drsti, samyaka vāni, samyak karma, samyak ājivika, samyak smriti, samyak vyāyam, samyaka samadhi*

(B) *samyak vyāyam, samyak smriti, samyaka vāni, samyak karma, samyak ājivika, samyaka samadhi, samyak drsti, samyak samkalpa*

(C) *samyak drsti, samyak samkalpa, samyaka vāni, samyak karma, samyak ājivika, samyak vyāyam, samyak smriti, samyaka samadhi*

(D) *samyaka samadhi, samyak smriti, samyak vyāyam, samyak ājivika, samyak karma, samyaka vāni, samyak samkalpa, samyak drsti*

36. The correct sequence of evolution from mind to supermind according to Sri Aurobindo is :

(A) overmind, intuitive mind, illumined mind, higher mind

(B) higher mind, illumined mind, intuitive mind, over mind

(C) illumined mind, higher mind, intuitive mind, over mind

(D) over mind, higher mind, intuitive mind, illumined mind

37. The correct sequence of astasiddhis is :

(A) *anima, mahima, laghima, prāpti, prakāmya, vasitva, isitva, yatrakamavasayitva*

(B) *mahima, laghima, anima, prāpti, prakāmya, vasitva, isitva, yatrakamavasayitva*

(C) *yatrakamavasayitva, isitva, vasitva, mahima, laghima, anima, prāpti, prakāmya*

(D) *laghima, anima, mahima, prāpti, prakāmya, yatrakamavasayitva, isitva, vasitva*

38. The correct sequence of the knowledge originating from sense contact according to Nyāya is :

(A)	object	sense organ	mana	soul
(B)	sense organ	object	mana	soul
(C)	soul	mana	sense organ	object
(D)	soul	mana	sense organ	soul

www.examrace.com

33. जैन दर्शन में स्याद्वाद का सही क्रम है :

(A) स्याद्अस्ति, स्याद्अस्ति अवक्तव्यम्, स्याद्नास्ति, स्याद्नास्ति अवक्तव्यम्, स्याद् अवक्तव्यम्, स्याद्अस्तिनास्ति, स्याद्अस्तिनास्ति च अवक्तव्यम्

(B) स्याद्अस्ति, स्याद्नास्ति, स्याद्अस्तिनास्ति, स्याद् अवक्तव्यम्, स्याद्अस्ति च अवक्तव्यम्, स्याद्नास्ति च अवक्तव्यम्, स्याद्अस्ति च नास्ति च अवक्तव्यम्

(C) स्याद्अस्ति, स्याद्नास्ति, स्याद् अवक्तव्यम्, स्याद्अस्ति च अवक्तव्यम्, स्याद्नास्ति च अवक्तव्यम्, स्याद्अस्ति च नास्ति च अवक्तव्यम्, स्याद्नास्ति

(D) स्याद्अस्ति, स्याद्नास्ति, स्याद् अवक्तव्यम्, स्याद्अस्तिनास्ति, स्याद्अस्ति च अवक्तव्यम्, स्याद्नास्ति अवक्तव्यम्, स्याद्अस्तिनास्ति अवक्तव्यम्

34. तैत्तिरीय उपनिषद् के अनुसार पंचकोषों का सही क्रम है :

(A) पृथ्वी, अप्, तेजस्, वायु और आकाश
(B) अन्न, प्राण, मनस्, विज्ञान और आनन्द
(C) नाम, रूप, रस, गंध और स्पर्श
(D) रूप, वेदना, विज्ञान संज्ञा और संस्कार

35. बौद्ध–दर्शन के अष्टांगमार्ग का सही क्रम है :

(A) सम्यक संकल्प, सम्यक दृष्टि, सम्यक वाणी, सम्यक कार्य, सम्यक आजीविका, सम्यक स्मृति, सम्यक व्यायाम, सम्यक समाधि।

(B) सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति, सम्यक वाणी सम्यक कार्य, सम्यक आजीविका, सम्यक समाधि, सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प

(C) सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाणी, सम्यक कार्य, सम्यक आजीविका, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति, सम्यक समाधि

(D) सम्यक समाधि, सम्यक स्मृति, सम्यक व्यायाम, सम्यक आजीविका, सम्यक कार्य, सम्यक वाणी, सम्यक संकल्प, सम्यक दृष्टि

36. श्री अरविन्द के अनुसार मन से अतिमन तक विकास का सही क्रम है :

(A) ऊर्ध्व मन, अन्तर्भासिक मन, प्रदीप्त मन, उच्चतर मन
(B) उच्चतर मन, प्रदीप्त मन, अन्तर्भासिक मन, ऊर्ध्वमन
(C) प्रदीप्त मन, उच्चतर मन, अन्तर्भासिक मन, ऊर्ध्वमन
(D) ऊर्ध्व मन, उच्चतर मन, अन्तर्भासिक मन, प्रदीप्त मन

37. अष्टसिद्धियों का सही क्रम है :

(A) अणिमा, महिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्रकाम्य, वशित्व, ईशित्व, यत्रकामावसायित्व
(B) महिमा, लघिमा, अणिमा, प्राप्ति, प्रकाम्य, वशित्व, ईशित्व, यत्रकामावसायित्व
(C) यत्रकामावसायित्व, ईशित्व, वशित्व, महिमा, लघिमा, अणिमा, प्राप्ति, प्रकाम्य
(D) लघिमा, अणिमा, महिमा, प्राप्ति, प्रकाम्य, यत्रकामावसायित्व, ईशित्व, वशित्व

38. इन्द्रिय सन्निकर्ष से उत्पन्न ज्ञान का सही क्रम न्यायदर्शन के अनुसार है :

(A)	पदार्थ	इन्द्रिय	मन	आत्मा
(B)	इन्द्रिय	पदार्थ	मन	आत्मा
(C)	आत्मा	मन	इन्द्रिय	पदार्थ
(D)	आत्मा	मन	इन्द्रिय	आत्मा

www.examrace.com

39. The correct sequence of categories in Kant's Metaphysical Deduction is :

(A) Categories of quantity, quality, relation, modality

(B) Categories of relation, quality, modality, quantity

(C) Categories of quality, modality, relation, quantity

(D) Categories of modality, relation, quality, quantity

40. Match List I with List II and choose the correct answer from the code given below :

	List I (Thinkers)		List II (Theory)
(a)	Prabhākara	(i)	Dualism
(b)	Rāmānuja	(ii)	The Integral Advaitism
(c)	Sri Aurobindo	(iii)	Prapatti
(d)	Ishvarkrishna	(iv)	Akhyāti

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

41. Match List I with List II and choose the correct answer from the code given below :

	List I (Thinkers)		List II (Theory)
(a)	Gaudapada	(i)	picture theory of meaning
(b)	Democrites	(ii)	inward revolution
(c)	Early Wittgenstein	(iii)	asparsa yoga
(d)	J. Krishnamurty	(iv)	atomism

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

42. Match List I with List II and choose the correct answer from the code given below :

	List I (Thinkers)		List II (Theory)
(a)	Parmenides	(i)	existence is an attribute
(b)	St. Anselm	(ii)	ghost in the machine
(c)	Leibniz	(iii)	Pure Being
(d)	Gilbert Ryle	(iv)	Principle of sufficient reason

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

www.examrace.com

39. कान्ट के तत्त्वमीमांसीय निगमन में वर्गों का सही क्रम है :

(A) परिमाण, गुण, सम्बन्ध और प्रकारता के वर्ग

(B) सम्बन्ध, गुण, प्रकारता और परिमाण के वर्ग

(C) गुण, प्रकारता, सम्बन्ध और परिमाण के वर्ग

(D) प्रकारता, सम्बन्ध, गुण और परिमाण के वर्ग

40. सूची-I को सूची–II से सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची–I (विचारक)		सूची–II (सिद्धांत)	
(a)	प्रभाकर	(i)	द्वैतवाद
(b)	रामानुज	(ii)	समग्र अद्वैतवाद
(c)	श्री अरविन्द	(iii)	सत्ख्याति
(d)	ईश्वर कृष्ण	(iv)	अख्याति

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

41. सूची-I को सूची–II से सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची–I (विचारक)		सूची–II (सिद्धांत)	
(a)	गौड़पाद	(i)	अर्थ का [illegible] सिद्धान्त
(b)	डेमाक्रिटस	(ii)	[illegible] परिवर्तन
(c)	लुई विट्गेन्सटाइन	(iii)	अ[illegible]संयोग
(d)	जिद्दु कृष्णमूर्ति	(iv)	[illegible]वाद

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iii)	(iv)	[illegible]
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(i)	(iii)	(ii)	[illegible]
(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

42. सूची-I को सूची–II से सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची–I (विचारक)		सूची–II (सिद्धांत)	
(a)	पार्मेनाइडीज	(i)	सत्ता एक गुण है
(b)	सैमुअल ऐलेक्जेण्डर	(ii)	यंत्र में प्रेत
(c)	लाइब्नीज	(iii)	शुद्ध सत्
(d)	गिलबर्ट राइल	(iv)	पर्याप्त कारणता का सिद्धान्त

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

43. Match List I with List II and choose the correct answer from the code given below :

List I (Authors)		List II (Texts)	
(a)	Nagarjun	(i)	*Nyāya kusumanjali*
(b)	Udayana	(ii)	*Vaiśesika Sūtras*
(c)	Kanad	(iii)	*Ātmabōdha*
(d)	Sankara	(iv)	*Madhyamikārika*

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

44. Match List I with List II and choose the correct answer from the code given below :

List I (Authors)		List II (Texts)	
(a)	G.E. Moore	(i)	Anuvyākhyāna
(b)	Husserl	(ii)	Principia Ethica
(c)	Madhavācārya	(iii)	Samayasara
(d)	Kundakundācārya	(iv)	Logical Investigations

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(ii)	(iv)	[illegible]	[illegible]

45. Match List I with List II and choose the correct answer from the code given below :

List I (Authors)		List II (Texts)	
(a)	Aristotle	(i)	Will to power
(b)	Thomas Aquinas	(ii)	An Enquiry concering Human Understanding
(c)	David Hume	(iii)	Nichomachean Ethics
(d)	F.Nietzsche	(iv)	Summa Theologiae

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(B)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

www.examrace.com

43. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

	सूची-I (लेखक)		सूची-II (ग्रन्थ)
(a)	नागार्जुन	(i)	न्याय कुसुमाञ्जलि
(b)	उदयन	(ii)	वैशेषिक सूत्र
(c)	कणाद	(iii)	आत्मबोध
(d)	शंकर	(iv)	माध्यमिक कारिका

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

44. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

	सूची-I (लेखक)		सूची-II (ग्रन्थ)
(a)	जी.ई. मूर	(i)	अनुव्याख्यान
(b)	हुस्सेर्ल	(ii)	प्रिंसिपिया एथिका
(c)	माध्वाचार्य	(iii)	समयसार
(d)	कुन्दकुन्दाचार्य	(iv)	लॉजिकल इन्वेस्टिगेशन

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(ii)	(iv)	[illegible]	[illegible]

45. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

	सूची-I (लेखक)		सूची-II (ग्रन्थ)
(a)	[illegible]रस्तू	(i)	विल टू पावर
(b)	[illegible] एक्विनास	(ii)	एन इन्क्वायरी कन्सर्निंग ह्यूमन अन्डरस्टैंडिंग
(c)	डेविड ह्यूम	(iii)	निकोमेकियन एथिक्स
(d)	एफ. नीत्शे	(iv)	सुम्मा थियोलॉजिका

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(B)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

www.examrace.com

Read the following passage and answer questions numbers from 46 to 50 :

Now this supreme wisdom, united to a goodness that is no less infinite, cannot but have chosen the best. For as a lesser evil is a kind of good, even so a lesser good is a kind of evil if it stands in the way of a greater good; and there would be something to correct in the actions of God if it were possible to do better. He is mathematics where there is no maximum nor minimum, in short nothing distinguished, everything is done equally or when that is not possible nothing at all is done; so it may be said likewise in respect of perfect wisdom, which is no less orderly than mathematics that if there were not the best (optimum) among all possible worlds. God would not have produced any. I call 'World' the whole succession and the whole agglomeration of all existent things, lest it be said that several worlds could have existed in different times and different places. For they must needs be reckoned all together as one world or, if you will, as one universe. And even though one should fill all times and all places, it still remains true that one might have filled them in innumerable ways, and that there is an infinitude of possible worlds among which God must needs have chosen the best, since he does nothing without acting in accordance with supreme reason.

46. Something needs to be done when :

(A) there is neither maximum nor minimum

(B) there is nothing distinguished

(C) everything is done equally

(D) we have to improve things

47. The 'world' according to the author consists of :

(A) all possible things (B) all past things alone

(C) all past and future things (D) all existent things

48. God cannot but have chosen the best because he acts in accordance with :

(A) practical wisdom (B) the principle of good and evil

(C) supreme wisdom (D) his own principles of morality

49. A lesser good becomes an evil if it obstructs :

(A) even a lesser good (B) a greater good

(C) an equal good (D) general good

50. We can improve upon God's actions if it were possible :

(A) to act in accordance with His will

(B) to do better than Him

(C) to do worse than Him

(D) to act in accordance with an free will

- o O o -

www.examrace.com

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्न संख्या 46 से 50 के उत्तर दीजिये :

अब यह सर्वोत्कृष्ट बुद्धि, अपनी अनन्त शुभता के साथ सर्वोत्तम का ही चुनाव करती है। जिस प्रकार अल्प अशुभ एक प्रकार का शुभ होता है उसी प्रकार अल्पशुभ जब वह किसी महत् शुभ के आड़े आता है तो वह एक प्रकार का अशुभ हो जाता है; और यदि हम उससे बेहतर कर सकें तो ईश्वर के कार्यों को भी संशोधित किया जा सकता है। जिस प्रकार गणित में कुछ भी अधिकतम या न्यूनतम नहीं होता, कुछ विशिष्ट नहीं होता, संक्षेप में सारी क्रियायें समतुल्य होती हैं; अथवा जब ऐसा सम्भव न हो तो कुछ भी नहीं किया जाता, उसी प्रकार पूर्ण बुद्धि जो गणित से किसी भी प्रकार कम सुव्यवस्थित नहीं है, के बारे में कहा जा सकता है कि यदि सभी सम्भव जगतों में से कुछ भी सर्वोत्तम नहीं होता, तो ईश्वर किसी भी जगत् को [illegible] करता। मैं जगत् को पूर्ण क्रम और पूर्ण समुच्चय मानता हूँ, ताकि यह न कहा जा सके कि विभिन्न देश काल में अनेक जगतों की सत्ता थी। क्योंकि उन सभी को हम एक जगत्, या यदि आप चाहें तो, एक विश्व कह सकते हैं। यद्यपि समस्त कालों एवं देशों को भर जाना चाहिये तथापि यह सत्य ही है कि इन्हें असंख्य विधियों द्वारा भर जा सकता था, और असंख्य सम्भव जगतों में से ईश्वर ने सर्वोत्तम को ही चुना होगा क्योंकि वह बिना सर्वोत्कृष्ट कारण के कुछ भी नहीं करता।

46. कुछ करने की आवश्यकता होती है, जब :

(A) न तो अधिकतम होता है न ही न्यूनतम।

(B) कुछ भी विशिष्ट नहीं होता।

(C) सभी कार्य एक समान स्तर पर किये जाते हैं।

(D) हमें संशोधन करना होता है।

47. लेखक के अनुसार 'जगत्' में समाविष्ट है :

(A) समस्त सम्भव विषय

(B) मात्र समस्त अतीत विषय

(C) समस्त अतीत एवं भावी विषय

(D) सभी अस्तित्ववान विषय

48. ईश्वर ने सर्वोत्तम का ही चयन किया होगा, क्यों कि वह कार्य करता है :

(A) व्यावहारिक बुद्धि से

(B) शुभ और अशुभ के नियमानुसार से

(C) सर्वोत्कृष्ट बुद्धि से

(D) अपनी स्वयं की नैतिकता से

49. अल्प शुभ, अशुभ हो जाता है जब वह अवरोध करता है :

(A) अपने से अल्प शुभ का

(B) अपने से महत्तर शुभ का

(C) अपने तुल्य शुभ का

(D) साधारण शुभ का

50. हम ईश्वर को [illegible] का संशोधन कर सकते हैं, यदि यह सम्भव होता कि :

(A) यदि हम उसको इच्छानुसार कार्य कर सकते

(B) यदि हम उससे बेहतर कार्य कर सकते

(C) यदि हम उससे बेहतर कर सकते

(D) यदि हम अपने स्वतंत्र संकल्प के अनुसार कार्य कर सकते

-oOo-

www.examrace.com